

लोक अदालत

तीनों विभागों की संयुक्त रिपोर्ट और आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि यदि अनियमितताएं सही पाई जाती हैं तो नियमानुसार दुकान पर जुर्माना और लाइसेंस पर कार्रवाई हो।

खबर संक्षेप

प्रकृति की मार ने अन्नदाता के सोयाबीन पर फिर बरपा दिया कहर, पीला मौजिक से खराब हो रही फसल

हरिभूमि न्यूज़/कोडिया। अन्नदाता के ऊपर जिस तरह प्रकृति की मार पड़ते हुये देखी जा रही है उसके चलते सभी का पेट भरने वाला किसान परेशानियों से नहीं उभर पा रहा है। इस समय देखा जावे तो जहां लोग मौसम बीमारियों के चपेट में आने के चलते परेशान हो रहा है तो दूसरी ओर किसानों द्वारा कुछ माह पहले त्वक्रय की गई शासन को अपनी मूंंग फसल का भुगतान नहीं मिलने के कारण जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिये कर्जदार बनते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर फ़सलों को उम्मीद है कि उसके खेतों में खड़ी हुई गन्ना सहित धान व सोयाबीन की फसल से वह अपनी परेशानियों से निजात पा लेगा। मगर सोयाबीन की फसल त्जस तरह पीला मौजिक बीमारी की शिकायत होते हुये देखी जा रही है उसके चलते अन्नदाता के चेहरे की मुस्कान गायब होने से नही बच पा रही है। क्योंकि काफी मेहनत के साथ जिस तरह किसानों ने पैसा खर्च करते हुये अपने खेतों में सोयाबीन फसल लगाई गई थी। मगर पीला मौजिक बीमारी के चलते फसल को पीला होते हुये देखा जा रहा है उसके चलते ऐसा प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है फ़ किसानों द्वारा सोयाबीन फसल को लगाने में जो लागत लगाई गई वह खड़ी हो जावे तो बड़ी बात होगी।

पाईप खुलने पर मिल कर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम खंचारी न्वासी आदर्श पिता अवधेश कौरव उम्र 26 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह अपने खेत से ट्रैक्टर लेकर घर जा रहा था तो रास्ते में रोड पर लगी पाईप लाईन खुल जाने के चलते प्रार्थी द्वारा अपना ट्रैक्टर रोकते हुये उस लाईन को जोड़ दिया गया था। मगर उसी दौरान ग्राम करपगांव न्वासी विनीत उर्फ गोलू तथा अनुप दुबे आये और प्रार्थी को गंदी गंदी गालिया देते हुये बोले की तुने हमारी पाईप लाइन क्यों खोल दी। जब प्रार्थी द्वारा कहा कि खुल गई थी तो मैने जोड़ दिया अब गाली क्यों दे रहे हो।

नवरात्रि पर आयोजित होने वाले गरवा उत्सव की तैयारिया जोरों पर, प्रशिक्षण हुआ शुरू



हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा। शहर की धार्मिक-सांस्कृतिक संस्था संकल्प के साथ सनातन संस्कृति के संरक्षण और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले भव्य संकल्प गरबा महोत्सव का आयोजन को लेकर तैयारिया शुरू हो चुकी है। ज्ञात हो कि यह आयोजन लगातार 14वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष गरबा महोत्सव का आयोजन 14 अक्टूबर से 17 अक्टूबर के बीच रात्रि 7:30 बजे से 11:00 बजे तक नगर के पुराना कॉलेज गाउँड, पानी की टंकी के पास किया जाएगा। वार दिवसीय इस महोत्सव में पारंपरिक गरबा-झाड़िया के साथ सनातन संस्कृति पर आधारित विशेष प्रस्तुतियां भी होंगी। गरबा महोत्सव को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। महोत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण 20 सितंबर से 12 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7:30 बजे तक कव्वा नवीन विद्या भवन स्कूल परिसर पलोटन गंज गाडरवारा में शुरू किया जा चुका है।

नगर में नियमित रूप से साफ सफाई के आभाव में बढ़ रही मच्छरों की फौज

हरिभूमि न्यूज़/सालीचौका। इस समय जहां संपूर्ण अनेक प्रकार की बीमारियों से जूझते हुये देखा जा रहा है। मगर इसके बाद भी नगर परिषद द्वारा नगर की नियमित साफ सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि सड़को सहित नालियों में लगा रहे गंदवों के अम्बार के चलते जहां अनेक प्रकार के मच्छर जन्म लेने के कारण लोग रात के समय अपने घरों में सुकून की नींद नहीं ले पा रहे है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो जहां देश के प्रधानमंत्री से लेकर प्रदेश के मुखिया द्वारा लोगों को स्वच्छता का संदेश देते हुये अनेक प्रकार की महामारी से बचने के लिये साफ सफाई की ओर विशेष ध्यान देने की बात कही जा रही है। मगर इस बात को नपा पर किसी प्रकार का असर पड़ते हुये दिखाई नहीं देने के कारण न तो नगर की नालियों व गलियों में कौट नाशक दबाईयों का डिस्क्राव होते हुये वही देखा जा रहा है और न ही मच्छरों को बढ़ती हुई फौज पर अंकुश लगाने के लिये कोई उपाय किये जा रहे है, जिसके कारण नगर के लोगों को इन मच्छरों से बचाव के लिये नीम के धुआ का सहारा लेना मजबूरी बनने से नहीं चूक रही है। लोगों द्वारा अपने घरों के अंदर नीम के पत्तों को चलाते हुये मच्छर मगाने हुये देखे जा रहे है।

विद्यार्थियों ने चित्रों सहित निबंध के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश



क्या घोषणा तक ही सीमित होकर रह गई साईंखेड़ा थाना क्षेत्र की बम्हौरी कला पुलिस चौकी स्थापना, शुभारंभ के लिये भवन पुताई के बाद आज तक नहीं ली किसी अधिकारी ने कोई खबर , कैसे लग पायेगी बढ़ते हुये अपराधों पर रोक...

हरिभूमि न्यूज़/साईंखेड़ा।



क्षेत्र की कानून व्यवस्था में सुधार देखने मिलेगा8 मगर वह घोषणा आज भी घोषणा तक ही सीमित होते हुये जान पड़ रही है। बताया जाता है कि कुछ वर्ष पहले गाडरवारा तहसील क्षेत्र के लिये नई पुलिस चौकी स्थापना की घोषणा होने के बाद जब यह खबर अखबारों में आई हुई थी तो लोगों में इस बात की खुशी थी कि निश्चित तौर से हमारे



की स्थापना को लेकर शुरूआत तो हो चुकी है। मगर यही पर काम करने केलिये डोंगरगांव पुलिस थाने में पदस्थ कभी किसी ए एस आई तो कभी किसी हबलादार को भेज दिया जाता है जो अपनी चौकी को खोलने की औपचारिकता पूर्ण कर ली जाती है। यहां पर अभी तक न तो विधिवत रूप से पुलिस चौकी का निर्माण हुआ है और न ही पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी के रूप में किसी पुलिस अधिकारी को नियुक्त किया गया है। वही दूसरी ओर इससे गया बीता हाल साईंखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाली बम्हौरी कला पुलिस चौकी का देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि घोषणा के कुछ दिनों के उपरांत यहां पर पुलिस चौकी स्थापना को लेकर हलचले तो शुरू हुई थी जिसके

चलते ग्राम बम्हौरी में पुलिस चौकी स्थापना को लेकर एक भवन का रंग रोगन करते हुये उसे उसी हाल में छोड़ देने के कारण जहां पुलिस चौकी के नाम से सजे हुये इस भवन में गंदगी का अम्बार देखने मिल रहा है जो सरकार के स्वच्छता अभियान को ग्रहण लगाने से नहीं चूक रहा है। वही दूसरी ओर ग्रामवासियों ने चर्चा के दौरान बताया गया आज तक यहां पर न तो कोई अधिकारी आया है और न ही कोई कर्मचारी सिर्फ कुछ समय पहले यहां पर पुलिस चौकी के नाम पर एक भवन की पुताई कराते हुये छोड़ दिया गया है..? इस सच्चाई को देखते हुये यह अनुमान लगने से नहीं चूक रहा है कि शासन की गई पुलिस चौकियों की स्थापना की घोषणा मात्र मंच तक ही सीमित होकर रह चुकी है..? हो सकता है

विद्यार्थियों को सफलता की बुलंदियों पर पहुंचाने लक्ष्य बना कर कराये जाने वाली पढ़ाई परिणाम को सफल बनाती है

हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा। शिक्षक यदि लक्ष्य बड़ा रखकर पूरी जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच के साथ काम करें तो विद्यार्थियों की सफलता की राह आसान हो सकती है। स्कूल को केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण बनाने की जरूरत है। जहां बच्चे स्वयं स्कूल आने के लिए उत्साहित होना चाहिये। इसी सोच के साथ जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुशवाहा ने शिक्षकों से विद्यार्थियों के बेहतर परीक्षा परिणाम के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता को भी अपना लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। बताया जाता है कि कुशवाहा शुक्रवार को शाम गाडरवारा नगरीय क्षेत्र के शिक्षकों के सार्थक संवाद कार्यक्रम को स्थानीय शासकीय आदर्श स्कूल में सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी, रमसा खड्गीसी मनीष जैन, बीईओ सुशी सीमा डोंगरे, प्राचार्य एस के मिश्रा, प्रतुल इंदूरख्या, बीआरसी सदीप स्थापक आदि मंचासीन रहे। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए डीईओ डॉ॰ कुशवाहा ने आगे कहा कि प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री के गृह जिले के शिक्षक होने के नाते हमारा दायित्व है कि उनकी मंशा के अनुरूप हम सभी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनायें। जिस तरह हम अपने घर को साफ-सुथरा और सुंदर रखते हैं, उसी तरह स्कूल को भी आकर्षक और सकारात्मक वातावरण वाला बनाएं। शिक्षक का व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि बच्चा स्कूल आने की जिद करें। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं है। शिक्षक



विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनके भविष्य को दिशा देने का काम करें। इस मौके पर कुशवाहा ने कहा कि स्कूलों में संसाधनों की कमी नहीं है। जरूरत उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और सकारात्मक माईडसेट की है। प्रत्येक शिक्षक अपनी कक्षा के लिए स्पष्ट लक्ष्य, कार्ययोजना और परिणाम आधारित रणनीति तैयार करें। शिक्षण में नवाचार अपनाकर विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा पैदा की जाए। शिक्षक केवल शिक्षक नहीं, बल्कि भविष्य निर्माता हैं और उन्हें अपनी इस जिम्मेदारी को समझना चाहिए। विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास को भी जरूरी बताते हुए कुशवाहा ने विद्यालयों में खेल गतिविधियों को निरंतर जारी रखने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने महापुरुषों के प्रेरक प्रसंगों और शिक्षकों

के शैक्षणिक नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति प्रेरित करने की बात भी कही। सार्थक संवाद में शिक्षकों ने वी जैन डू और आई डू के संकल्प के साथ बेहतर परीक्षा परिणाम हासिल करने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान शिक्षकों ने कक्षा शिक्षण में नए नवाचार अपनाने, विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बढ़ाने और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने का संकल्प लिया। संवाद कार्यक्रम में डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने शिक्षकों से अपार आईडी सहित अन्य आवश्यक कार्यों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये। संवाद कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का स्वागत संस्था प्राचार्य तथा अंग्रेजी विषय की पढ़ाई कराने में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले एस के मिश्रा सहित श्रीमती सुनीता पटेल, सतीश नाईक एवं श्रीमती मालती मेहरा ने किया।

रोटरी क्लब के प्रयास से सड़क का हुआ जीर्णोद्धार, दुर्घटनाओं से मिलेगी मुक्ति



हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा।

रोटरी क्लब द्वारा नगर में किये जाने वाली समाज सेवा में जहां आम लोगों को लाभ मिलते हुये देखा जा रहा था। मगर अब रोटरी क्लब द्वारा जिस तरह से आमजन को परेशानियों से निजात दिलाने के लिये जो अनेखों पहल शुरू की गई है उसकी लोगों में चर्चा है। बताया जाता है कि रोटरी क्लब की जनहिपैपी पहल और निरंतर प्रयासों के परिणाम स्वरूप नगर के मंडी गेट नंबर 2 के सामने सड़क पर बने जानलेवा गड्ढों की मरम्मत और दुरुस्तीकरण का कार्य कराते हुये आमजन को परेशानियों से निजात दिलाई गई है। विदित हो कि इस मार्ग पर गहरे गड्ढों के कारण एक गंभीर और जानलेवा दुर्घटना घटी थी। इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय व्यापारियों के लिए यह गड्ढे लंबे समय से हादसों का कारण बने हुए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए रोटरी क्लब गाडरवारा के प्रमुख सदस्य अमित साहू एवं निमितकांत जैन ने तुरंत संज्ञान लिया और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सड़क मरम्मत का बीड़ा उठाया। रोटरी क्लब के सौजन्य से अमित साहू और निमित कांत जैन की देख रेख में सड़क के गड्ढों को भरवाकर समतलीकरण कराया गया, जिससे अब आवागमन सुचारू और सुरक्षित हो गया है।

बारिश के मौसम में मिट्टी के भरोसे भरे जाने वाले गड्ढे क्या दुर्घटनाओं में कमी लाने हो पायेंगे सहायक...?

हरिभूमि न्यूज़/सालीचौका।

लगातार बढ़हाल हो रही क्षेत्र की सड़को की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी..? क्योंकि सड़को पर निकल रहे गड्ढे के चलते जहां आये दिन वाहन चालक गिरने के कारण घायल होने से नहीं चूक रहे हैं। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा जब उजागर किया जाता है तो संबंधित विभाग द्वारा सड़क सुधार या फिर गड्ढो को भरने की औपचारिकता पूर्ण किस तरह से की जाती है जिसकी सच्चाई इस समय सालीचौका गाडरवारा मार्ग पर निकले हुये गड्ढो को भरने के दौरान देखने मिल रही है..? बताया जाता है कि चल रहे बारिश के मौसम में गाडरवारा सालीचौका मार्ग पर जहां तहां बड़े बड़े गड्ढे बन जाने के कारण जहां बड़े वाहनों में टूट फूट होने के साथ उन्हें दुर्घटना गस्ति होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर छोटे वाहन चालक मुख्य रूप से मोटर साईकिल, स्कूटी सहित स्कूल आने वाले वाही छात्राओं की साईकिल इन गड्ढो में गिरने के चलते लोगों को घायल होते हुये देखा जा रहा था। इसी बात को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा संबंधित विभाग से इन गड्ढो के सुधार कार्य की मांग की जा रही थी। मगर लोग हैरत में पड़ने से उस समय नही चूक पाये जब सड़क के गड्ढो को भरने की जिस तरह से औपचारिकता निभाते हुये देखा गया। बताया जाता है कि चल रहे बारिश के सीजन में इन गड्ढो को जिस प्रकार से मिट्टी के माध्यम से भरा जा रहा है, यह कार्य क्षेत्र में जन चर्चा का विषय बनने के साथ साथ संबंधित विभाग की कार्य शैली पर प्रश्न विन्ह लगाने से नही चूक रहा है..? क्योंकि बारिश के सीजन में सड़क पर डली हुई मिट्टी वाहन चालको को और ख़तरा पैदा करती है। मगर सड़क के गड्ढो को ही जब विभाग द्वारा मिट्टी से भरने का कार्य किया जा रहे तो निश्चित तौर से यह सड़क बारिश होने के दौरान मौत का सायरन बजाने से नही चूक पायेगी..? इस तरह मिट्टी के माध्यम से की जा रही गड्ढों की भराई जो औपचारिकता पूर्ण होने के साथ साथ जान लेवा बनने की संभावना से इंकतर



नहीं की जा सकती है..? बारिश के मौसम में मिट्टी से परिपूर्ण यह गड्ढे बारिश होते ही ढल ढल का रूप धारण करने से नही चूकेगे। वही जब गड्ढो की मिट्टी सड़क पर फैलेगी तो वाहनों की फिस्लन के चलते वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते हुये देखे जावेगे।

जनशिक्षा केंद्र आमगांव में आयोजित हुआ शैक्षिक संवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा

शनिवार को जनशिक्षा केंद्र आमगांव छोटा में “सीखने के लिए आकलन, समस्या से समाधान” विषय पर शैक्षिक संवाद कक्षा पहली एवं दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्तुति के साथ हुई। शैक्षिक संवाद के दौरान प्रभारी प्राचार्य मोहन मुरारी दुबे ने संवाद के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए सभी शिक्षकों से सहभागिता करने तथा शिक्षण के दौरान आने वाली समस्याओं के व्यावहारिक समाधान पर विचार साझा करने का आह्वान किया। वही सीपीसी प्रमोद पठारिया ने संवाद की व्यवस्थित रूपरेखा सभी के समक्ष प्रस्तुत की गई। इस दौरान शिक्षक अनिल साहू ने



शैक्षणिक कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयों एवं उनके निराकरण के विभिन्न पहलुओं पर सभी का ध्यान आकर्षित किया। संवाद में जनशिक्षा केंद्र अंतर्गत संचालित प्राथमिक शालाओं में कक्षा 1 एवं 2 में

अध्यापन कराने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। इस दौरान बच्चों के सीखने के स्तर का आकलन, शिक्षण में आने वाली चुनौतियों तथा समस्याओं के समाधान को लेकर आपसी चर्चा की गई। संवाद में हरिश तिवारी, श्रीमती वंदना कौरव, शैल गुप्ता, प्रेमलता ठाकुर, मनोमरा शर्मा, पुष्पा वर्मा, लक्ष्मी जाडव, गिरिश बाजपेयी, अरविंद गूजर, गजेंद्र बाटकर, ओपी वर्मा, मुकेश कुमार कुबरे, रघुवीर विश्वकर्मा, चतुर्भुज ठाकुर, मानक लाल अहिरवार सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। विदित हो कि शैक्षिक संवाद का उद्देश्य शिक्षकों के अनुभवों को साझा करते हुए बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार, स्तर आकलन तथा शिक्षण संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करना रहा।

खबर संक्षेप

माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान के तहत मूर्ति निर्माण का प्रशिक्षण

समनापुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला डिंडोरी, विकासखंड समनापुर अंतर्गत नवांकुर संस्था बम्हनी, ग्राम विकास समिति बम्हनी एवं मोहगांव समाज कल्याण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत बम्हनी में 'माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान 2026' के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की विभिन्न प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों को आमंत्रित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक द्वारा मिट्टी से गणेश प्रतिमा तैयार करने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को प्रतिमा निर्माण की प्रक्रिया, मिट्टी के उपयोग तथा पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा तैयार करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक मंजुलता राव, नवांकुर संस्था प्रमारी सूरज प्रसाद ताम्बकर, रामकुमार मरकाम, ग्राम पंचायत बम्हनी के सरपंच रतीराम मुराली सहित प्रस्फुटन समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। इनमें अंगद छुरे (उमरिया), हेमराज मरावी, अमृत दास, सुशील कुमार, करण सिंह, सर्जोवन, दादुराल, छीतर लाल, धरम सिंह, गेंदालाल एवं प्रहलाद सहित अन्य लोगों की सहभागिता रही। आयोजकों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

बरगांव सेक्टर में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन

शहपुरा। महिला एवं बाल विकास विभाग शहपुरा अंतर्गत बरगांव सेक्टर में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया गया। इस वर्ष पोषण माह की थीम "सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत" रखी गई है। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को पोषण के प्रति जागरूक किया गया। पोषण माह के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें विशेष आहार उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी गई। उन्हें हरी सब्जियां, दाल, अंडा एवं मोटे अनाज जैसे पोष्टिक खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

माटी गणेश, सिद्ध गणेश अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित



अमरपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार विकासखंड अमरपुर के सेक्टर भानपुर अंतर्गत ग्राम निघौरी में 'माटी गणेश, सिद्ध गणेश' अभियान के तहत गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, नवांकुर संस्था जीव दया एवं पर्यावरण संरक्षण समिति समनापुर तथा उत्थान सेवा समिति अलौनी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सहभागिता रही।कार्यशाला का

उद्देश्य गणेश चतुर्थी के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जल प्रदूषण की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। इस दौरान ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध शुद्ध मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने तथा गणेश चतुर्थी पर इन्हें प्रतिमाओं की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के लिए प्रेरित किया गया।आयोजकों ने बताया कि प्लास्टर ऑफ पेरिस एवं रासायनिक रंगों से निर्मित गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन से

जल स्रोतों में प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। इसके स्थान पर प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं का उपयोग करने से विसर्जन के दौरान जल प्रदूषण को कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से 'माटी गणेश, सिद्ध गणेश' अभियान के माध्यम से लोगों को पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के लिए जागरूक किया जा रहा है।मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में यह अभियान प्रदेशभर के गांवों एवं सेक्टर स्तर पर संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर माटी गणेश, सिद्ध गणेश निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन कर स्थानीय शुद्ध मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाने का प्रशिक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।अभियान में नवांकुर संस्थाओं, मेटर्स, नवांकुर सखियों एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कार्यशाला के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने तथा मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं को स्थापित करने का संकल्प भी लिया।

कुएं में डूबे युवक का शव बरामद



शहपुरा - डिंडोरी जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कजुरी घुसिया में शनिवार दोपहर सार्वजनिक कुएं में गिरे 28 वर्षीय युवक बसोरी तेकाम का शव काफी गंभीरता के बाद कुएं से बाहर निकाल लिया गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और ग्रामीण लगातार रेस्क्यू अभियान में जुटे हुए थे। जानकारी के अनुसार ग्राम कजुरी घुसिया निवासी बसोरी तेकाम, पिता चमरू तेकाम, शनिवार 12 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे कुएं में गहले के बाद बच्चों के साथ घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक वह सार्वजनिक कुएं में गिर गए। साथ मौजूद बच्चे को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि बासोरी कुएं की गहराई में चले गए। कुएं में अधिक गहराई तक पानी भरा होने के कारण युवक को बाहर निकालने में काफी परेशानी हुई। पुलिस और ग्रामीणों की टीम ने काफी मशकत के बाद युवक को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पंचनामा करवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए शहपुरा अस्पताल पहुंचाया।हादसे की खबर मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से गांव में भी शोक का माहौल है। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

26 नग भैंसों से भरा वाहन पकड़ा, दो लोग फरार



शहपुरा। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार तड़के 26 नग भैंसों को ले जा रहे एक वाहन को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द करने का दावा किया है। संगठन के अनुसार, वाहन डिंडोरी से जबलपुर की ओर जा रहा था। वाहन में तीन लोग सवार थे। कार्रवाई के दौरान दो लोग मौके से फरार हो गए, जबकि वाहन चालक को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। संगठन के जिला सहमंत्री हिमांशु अग्रवाल की ओर से जारी पत्र के मुताबिक, 12 सितंबर की सुबह करीब 4 बजे कार्यकर्ताओं को वाहन से मवेशियों को ले जाने की सूचना मिली। सूचना के बाद कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और वाहन को रोककर जांच की। वाहन में 26 नग भैंसें मिलीं। संगठन ने दावा किया है कि मवेशियों को कटने के लिए ले जाया जा रहा था। कार्यकर्ताओं ने वाहन चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, जबकि वाहन में सवार दो अन्य लोग मौके से फरार हो गए। वाहन और मवेशियों को भी पुलिस के सुपुर्द किया गया। मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।मवेशियों को किस उद्देश्य से और किन परिस्थितियों में ले जाया जा रहा था, इसकी वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी।फिलहाल संगठन की ओर से मवेशियों को कटने के लिए ले जाने का दावा किया गया है। मामले में पुलिस की आधिकारिक पुष्टि और जांच के निष्कर्ष के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

नेशनल लोक अदालत में 54 प्रकरणों का आपसी समझौते से निराकरण



शहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डिंडोरी के तत्वावधान में शनिवार को व्यवहार न्यायालय शहपुरा में नेशनल लोक अदालत

का आयोजन किया गया। लोक अदालत में न्यायाधीश कर्नल सिंह श्याम की खंडपीठ के समक्ष प्रस्तुत विभिन्न लंबित एवं प्रीलिटिगेशन

प्रकरणों में पक्षकारों के बीच आपसी सहमति और सुलह-समझौते के आधार पर कुल 54 मामलों का निराकरण किया गया। लोक अदालत के दौरान न्यायाधीश कर्नल सिंह श्याम ने पक्षकारों को विवादों का आपसी सहमति से समाधान करने के लिए समझाइश दी। दोनों पक्षों की सहमति बनने के बाद प्रकरणों का निराकरण किया गया। लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, धारा 138 के तहत चेक बाउंस से संबंधित मामले, वैवाहिक विवाद एवं सिविल प्रकृति के मामलों का सुलह-समझौते के माध्यम से निराकरण किया जाता है। लोक अदालत के माध्यम से मामलों का समाधान होने से पक्षकारों के समय, धन और श्रम की



बचत होती है तथा लंबे समय से चले आ रहे विवादों का समाधान आपसी सहमति से हो जाता है। प्रकरणों के निराकरण के बाद कई

पक्षकारों ने राहत महसूस की। इस दौरान अधिकारियों, न्यायालयीन कर्मचारियों और पक्षकारों की उपस्थिति रही।

जनविश्वास अभियान में पशुपालकों को योजनाओं और पशु चिकित्सा सेवाओं की जानकारी



डिंडोरी। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को विकासखंड शहपुरा के ग्राम गुतलवाह में जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने पशुपालकों को विभागीय योजनाओं, पशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. आर.एम. भूसुदे ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के लाभार्थी धनिराम साहू तथा मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के लाभार्थी जागेश झारिया और अनिरुद्ध गवले के घर पहुंचकर उनके पशुपालन व्यवसाय की जानकारी ली। इस दौरान पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान, संतुलित आहार, टीकाकरण, कृमिनाशक दवाओं के उपयोग तथा पशुओं के बेहतर रखरखाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।अभियान के दौरान पशु औषधालय गुतलवाह, पशु औषधालय अमरा

तथा पशु चिकित्सालय शहपुरा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की गई। गुतलवाह पशु औषधालय में अतिरिक्त प्रभार में कार्यरत एबीएफओ को निर्धारित दिवसों में संस्था में उपस्थित रहकर विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति करने के निर्देश दिए गए। वहीं, दवाओं के रखरखाव में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारों को नोटिस जारी किया गया।

योजनाओं की जानकारी के साथ दवा वितरण

कार्यक्रम स्थल पर पशुपालन विभाग द्वारा स्टॉल लगाकर पशुपालकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान 10 पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), 4 पशुपालकों को बकरी पालन तथा 2 पशुपालकों को आचार्य विद्यासागर डेयरी पालन योजना की जानकारी देते हुए आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया गया।औषधि वितरण शिविर में 116 पशुपालकों को कृमिनाशक, क्लिनिंग एवं पाचन संबंधी

दवाएं वितरित की गईं। साथ ही 179 पशुओं का एचएस टीकाकरण किया गया। पशुपालकों को 1962 चलित पशु चिकित्सा इकाई की सुविधा के बारे में भी जानकारी दी गई, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें घर के निकट पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का कराया निराकरण

अभियान के तहत यशस्वी संवाद के माध्यम से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण पर भी विशेष जोर दिया गया। ग्राम मरवारी की सुश्री हिमांशी और श्रीमती पुष्पलता झारिया सहित अन्य हितग्राहियों से संवाद कर उनकी पुरानी शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराया गया। वहीं, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत लाभार्थी धनिराम साहू को 8.01 लाख रुपये की योजना की तीसरी किस्त का चेक प्रदान किया गया।उद्यम संवाद के दौरान पशुपालकों ने बताया कि हरियाणा नस्ल की मुरा भैंस से प्रतिदिन करीब 10 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। इससे उन्हें प्रतिदिन लगभग 1,000 से 2,000 रुपये तक अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। पशुपालकों ने बताया कि विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए चारा बीज से उनके पास पर्याप्त मात्रा में पशु चारा भी उपलब्ध है। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों ने पशुपालकों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन अपनाकर आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।



17 सितंबर से निःशुल्क होगी स्वामित्व अधिकार प्राप्त भू-स्वामियों की रजिस्ट्री

डिंडोरी। स्वामित्व अधिकार, अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को डिंडोरी स्थित ऑडिटोरियम में पटवारियों एवं संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में संपन्न हुआ। इसमें अभियान की प्रक्रिया, अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।अभियान के तहत 17 सितंबर 2026 से स्वामित्व अधिकार प्राप्त भू-स्वामियों की रजिस्ट्री निःशुल्क कराई जाएगी। अभियान का उद्देश्य पात्र भू-स्वामियों के स्वामित्व अधिकारों का विधिवत अभिलेखीकरण एवं पंजीयन सुनिश्चित करना है, ताकि



उन्हें अपनी भूमि के स्वामित्व से संबंधित आवश्यक दस्तावेज आसानी से उपलब्ध हो सकें।प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान के सुचारु, पारदर्शी एवं समयबद्ध संचालन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। उन्हें पात्र हितग्राहियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि अभियान के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पात्र हितग्राहियों को किसी भी स्तर पर परेशानी न हो और उन्हें स्वामित्व संबंधी दस्तावेज प्राप्त करने में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए।



सुदूर बैगा गांवों में लगे स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर

ग्रामीणों को जांच, दवा और शासकीय योजनाओं का मिला लाभ

डिंडोरी। जिले के दुर्गम एवं सुदूर बैगा अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में जिला प्रशासन ने संवेदनशील पहल की है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में आकांक्षी विकासखंड बजाग की ग्राम पंचायत बोंदर, चांडा एवं जल्दा में विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बड़ी संख्या में बैगा जनजाति सहित अन्य ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा दवाओं के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी और लाभ प्राप्त किया।

पहले स्वास्थ्य, फिर विश्वास की पहल-

जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम को केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए इसे गांव-गांव तक पहुंचाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने निर्देश दिए कि मुख्य कार्यक्रम से पहले उन गांवों तक स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचे, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आज भी चुनौतीपूर्ण है।डिंडोरी के वनांचल एवं पहाड़ी क्षेत्रों में बरसात के बाद मलेरिया, सर्दी-खांसी, दस्त, त्वचा रोग सहित अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही कुपोषण की स्थिति पर भी विशेष निगरानी की आवश्यकता रहती है। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने 'पहले स्वास्थ्य, फिर विश्वास' की थीम पर विशेष अभियान शुरू किया है।

एक ही शिविर में स्वास्थ्य, पोषण और योजनाओं का लाभ-

शिविरों की खासियत यह रही कि ग्रामीणों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य जांच, उपचार, दवा वितरण, पोषण संबंधी सेवाओं और शासकीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों का ब्लड प्रेशर, शुगर, सिकल सेल एवं मलेरिया परीक्षण किया। आवश्यकतानुसार मरीजों को दवाएं भी



वितरित की गईं।महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं तथा 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण स्तर का चिन्हांकन किया। बच्चों का वजन और ऊंचाई मापकर उनकी पोषण स्थिति का आकलन किया गया। गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) से जोड़ने की कार्रवाई भी की गई।इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों का मौके पर सर्वे कर आयुष्मान कार्ड, संबल योजना, पेंशन, लाइली लक्ष्मी योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं के आवेदन तैयार कराने की प्रक्रिया भी की गई।इससे ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली।

12 सितंबर कोबजाग, 13को करंजिया में शिविर-

जिला प्रशासन की कार्ययोजना के अनुसार 12 सितंबर को जनपद पंचायत बजाग के ग्राम बोंदर, चांडा एवं जल्दा में विशेष शिविर आयोजित किए गए। वहीं 13 सितंबर को जनपद पंचायत करंजिया के मोहतरा, गोपालपुर एवं पड़रीपानी में स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर आयोजित किए जाएंगे।बोंदर में आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच की। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों की पोषण स्थिति का आकलन किया

गया। शिविर में बुजुर्गों के पेंशन संबंधी प्रकरण तैयार करने सहित पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई।ग्राम चांडा के बैगा ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के मौसम में अस्पताल तक पहुंचना बेहद कठिन हो जाता है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की टीम और चिकित्सकों का गांव तक पहुंचना उनके लिए बड़ी राहत है। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल को सराहना करते हुए कहा कि गांव में ही जांच, दवा और स्वास्थ्य संबंधी सलाह मिलने से समय और परेशानी दोनों की बचत हुई है।ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने भी जिला प्रशासन एवं कलेक्टर की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में इस तरह के शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी हैं और इससे शासन की स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंच रहा है।आदिवासी बहुल डिंडोरी जिले में दुर्गम एवं पहाड़ी क्षेत्रों के ग्रामीणों तक प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की यह पहल शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम के तहत आयोजित ये शिविर ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास को भी मजबूत करने का माध्यम बन रहे हैं।

खबर संक्षेप

मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं की करें स्थापना



नरसिंहपुर। माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान - 2026 के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने जिलेवासियों से प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की स्थापना एवं पूजन करने की अपील की। यह अपील जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के अध्यक्ष विष्णु शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, रामस्नेही पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने की है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि गणेश वसुंधा से अनंत वसुंधेशी तक घरों एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमाओं में प्राकृतिक मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं को प्राथमिकता दी जाए। मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करना धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने भी जिलेवासियों से माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि प्लास्टर ऑफ पेरिस एवं रासायनिक रंगों से निर्मित प्रतिमाओं के विसर्जन से जलस्रोतों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में प्राकृतिक मिट्टी से बनी प्रतिमाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

नेशनल लोक अदालत में 2221 प्रकरणों का निराकरण

नरसिंहपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला न्यायालय में आयोजित नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रभान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अखिलेश शुक्ला ने किया। नई रहे चरण सिंह पटेल तेंदूखेड़ा। समीपों ग्राम डोभी के प्रतिष्ठित चौधरी परिवार में वरिष्ठ सदस्य चौधरी चरण सिंह पटेल की आचानक हृदय गति रुक जाने से असमय दुखद निधन हो गया। चरण सिंह पटेल चौधरी बलिराम सिंह के भाई धमेन्द्र पटेल एवं जितेन्द्र पटेल सरपंच ग्राम पंचायत डोभी के पूज्य पिता थे। वे सामाजिक रूप से मिलनसार एवं प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे।

विद्यार्थियों के साथ रैली निकाली फिर किए पौधे रोपित



ब्राह्मण समाज का अनूठा प्रयास तेंदूखेड़ा। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सर्व ब्राह्मण समाज तेंदूखेड़ा द्वारा क्षेत्र में 1100 वृक्षारोपण करने का सराहनीय लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत विगत दिवस एक भव्य पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों शिक्षकों और ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। ओपन वेयरहाउस आईटीआई के पास स्थित कैप स्थल पर अतिथियों शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर 101 पौधे रोपित किए। इस दौरान एक पेड़ में के नाम पर्यावरण बचाएं जीवन बचाएं के संदेश के साथ प्रकृति का कर्ज चुकाने का संकल्प लिया। इसके उपरांत शासकीय कन्या विद्यालय परिसर में भी विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ की विशेष मौजूदगी में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। छात्राओं और शिक्षकों ने मिलकर पौधों को रोपा और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस पवित्र और पर्यावरण हितैषी अभियान में सर्व ब्राह्मण महासभा तहसील तेंदूखेड़ा के विप बंधुओं गणमान्य नागरिकों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

नेशनल लोक अदालत में 110 व्यक्ति हुये लाभान्वित



तेंदूखेड़ा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अखिलेश शुक्ला नरसिंहपुर के निर्देशानुसार एवं सचिव श्री दिनेश मीणा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय तेंदूखेड़ा में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति श्री शिव कान्त कुशवाहा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

अधिवक्ताओं सहित नगर परिषद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सोनाटा फाइनेंस बैंक पंजाब नेशनल बैंक, मप्रग ग्रामीण बैंक इत्यादि बैंकों के कर्मचारी एवं उन बैंकों से संबंधित पक्षकार एवं समस्त न्यायालयीन स्टाफ उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में पारिवारिक विवाद सिविल प्रकरण एवं राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण जल विद्युत कर आदि से संबंधित प्रकरणों एवं अन्य प्रकरणों के आपसी बातचीत से समझौते के

माध्यम से निराकरण किया गया। जिसमें न्यायालय में लंबित प्रकरणों में से 30 प्रकरणों का आपसी सामंजस्य एवं सौहार्द्रपूर्ण समझौते के आधार पर निराकरण किया गया जिसमें 46 व्यक्ति लाभान्वित होकर 118000 रुपये का समझौता एवं कुल प्रीलिटीगेशन के 110 प्रकरण निराकृत हुए जिसमें 1292546 रुपये की राशि का समझौता हुआ जिसमें 110 व्यक्ति लाभान्वित हुए। समझौता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण

करने वाले पक्षकारों को आपसी भाईचारे का संकल्प दिलाया जाकर फलदार पौधे भेंट कर नेशनल लोक अदालत के माध्यम से समझौता करने हेतु धन्यवाद आभार प्रकट कर नेशनल लोक अदालत का सफलता पूर्वक समापन किया गया।सभी पक्षकारों को पौधे भेंट किए गए। नेशनल लोक अदालत में लंबे समय से चल रहे कुछ प्रकरणों का भी सामाजस्य पूर्ण तरीके से निराकरण कर राजीनामा कराया गया।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर बदहाल स्थिति दिनप्रति दिन बिगड़ती जा रही है। जिसे लेकर ना तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और ना ही जनप्रतिनिधियों की नींद खुल रही है। नगर में आलम यह बना हुआ है कि प्रत्येक रोड गढ़ानुमा हो चुकी है। रोड पर बने गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रही है। जिले मे दो मंत्री होने के बाद भी नगर की सड़कों की यह हालत है तो अन्य जिलों की हालत क्या हो सकती है। आए दिन गड्ढों व कीचड़ के कारण विद्यार्थी, व्यापारी व आमजन परेशान होते नजर आते है लेकिन जिम्मेदारों की नींद खुलती नजर नही आ रही है। नगर की सर्वाधिक चलने वाली रोड अव्यवस्था व भारी गड्ढो का शिकार हो चुकी है वही नगर में अनेकों स्थानों पर कीचड़ ने भी पैर पसार रखा है जिस कारण आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ओवर ब्रिज निर्माण से बढ़ रही परेशानी

नगर से लगे रौसरा रेलवे ब्रिज के निर्माण की धीमी गति के साथ ही वाहनों के लिए बनाए गए डायवर्टेड रूट की बदहाल स्थिति अब आमजन के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। मार्ग पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हैं, जिनमें थोड़ी सी बारिश होते ही पानी भर जाता है। ऐसे में वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता और दोपहिया वाहनों के पहिए पानी से भरे गड्ढों में समा जाते हैं। बड़े वाहन भी हिचकोले खाते हुए निकलने को मजबूर हैं। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि ब्रिज निर्माण एजेंसी द्वारा वाहनों के लिए सुरक्षित और सुगम वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। मौजूदा डायवर्टेड रूट पर बने बड़े गड्ढों को भरवाने और सड़क को समतल कराने की दिशा में भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।

अवैध शराब विक्रय को लेकर टीई को सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। विगत दिवस जिले के थाना क्षेत्र ठेमी अंतर्गत आने वाले ग्रामीणों द्वारा थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि उमरा गांव में अनेकों अवैध शराब की बिंदी की जा रही है। शराब विक्रय को लेकर आक्रोशित महिलाएं एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में थाना पहुंचकर शराब विक्रय बंद कराने की मांग रखी। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए गांव में अवैध रूप से शराब की बिंदी पर तत्काल रोक लगाने तथा शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से अवैध शराब की बिंदी का कारोबार चलने से इसका असर सामाजिक वातावरण पर पड़ रहा है। शराब के नशे के कारण आए दिन विवाद, लड़ाई-झगड़ा और चोरी जैसी घटनाएं सामने आने की बात ग्रामीणों ने कही। महिलाओं ने बताया कि शराब की आसानी से उपलब्धता के कारण

परिवारों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कई परिवार आर्थिक और सामाजिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। थाना पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस के समक्ष अपनी परेशानी रखते हुए कहा कि अवैध शराब की बिंदी पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से शराब विक्रेताओं के हौसले बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की कि गांव में शराब बेचने वाले स्थानों की जानकारी लेकर पुलिस द्वारा जांच की जाए और अवैध कारोबार में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। महिलाओं ने कहा कि शराब के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। नशे की वजह से होने वाले विवादों का असर बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों पर भी पड़ रहा है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से गांव को अवैध शराब से मुक्त करने के लिए लगातार कार्रवाई किए जाने की मांग की। हाल ही में सागर जिले में कथित अवैध शराब के सेवन से मौतों की घटना सामने आने के बाद प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में शराबबंदी को लेकर लोगों की चिंता और आक्रोश बढ़ा है। इसी क्रम में कई स्थानों पर महिलाएं और ग्रामीण अवैध शराब के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उमरा के ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी घटना का इंतजार किए बिना अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि उनका उद्देश्य गांव में शांति और बेहतर सामाजिक वातावरण बनाए रखना है। उन्होंने पुलिस से अवैध शराब की बिंदी के खिलाफ नियमित निगरानी और कार्रवाई की मांग की है।



इसके चलते रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को दचकों और दुर्घटना के जोखिम के बीच आवागमन करना पड़ रहा है।

नगर में प्रवेश से कतराते वाहन चालक

सड़कों की खराब हालत और रेलवे फाटक की समस्या का सामना आम वाहन चालकों को ही करना पड़ रहा है। अधिकारियों और नेताओं के वाहन खराब रास्ते और फाटक की परेशानी से बचने के लिए दूसरे रूट से निकल जाते हैं, लेकिन आमजन, यात्री वाहन चालकों और खासकर बड़े वाहनों के चालकों के पास इसी मार्ग से निकलने के अलावा विकल्प नहीं है। संकरे और गड्ढेदार रास्ते पर दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही होने पर स्थिति और



गौवंश की सुरक्षा और सड़क हादसों को लेकर हुई चर्चा

नरसिंहपुर। जिले में गौवंश की सुरक्षा के साथ-साथ हाईवे पर होने वाले सड़क हादसों की रोकथाम को लेकर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गौशाला संचालकों, पशुपालन विभाग, एनएचएआई सागर एवं जबलपुर की बैठक कर विस्तृत चर्चा की। बैठक में हाईवे पर आवारा एवं विचरण कर रहे की गौवंशों की दुर्घटनाओं को लेकर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर विचार किया गया, जहां हाईवे पर पाए जाने वाले गौवंश को सुरक्षित रूप से रखा जा सके और उन्हें दोबारा सड़क पर आने से रोका जा सके। कलेक्टर ने पीडी एनएचएआई सागर एवं जबलपुर की निर्देशित किया कि हाईवे पर दुर्घटना की स्थिति अथवा सड़क पर गौवंश के पाए जाने पर उन्हें सुरक्षित तरीके से हटाने के लिए गांव लिफ्टर वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कुष्ठ रोगी खोज अभियान 16 से

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत कलेक्टर महोदया के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में कुष्ठ रोगी खोज अभियान 16 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चलाया जाना है। जिसे लेकर ब्लॉक स्तरीय कुष्ठ प्रशिक्षण मेडिकल ऑफिसर सीएचओ सेक्टर सुपरवाइजर अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों को अभियान का प्रशिक्षण दिया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य एक-एक कुष्ठ संभावित व्यक्ति की सही पहचान समय पर पुष्टि उपचार की शुरुआत कुष्ठ रोगी के संपर्क में आए सभी की स्क्रीनिंग सुनिश्चित करना है। समय पर खोजे गए केस को हम आप स्थाई विकलांगता से बचा सकते हैं। प्रशिक्षण में जिला कुष्ठ अधिकारी डा राजकिशोर पटेल कुष्ठ चिकित्सा सहायक मानसिंह पटेल ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक विनोद जजापति ब्लाक चिकित्सा सहायक राघवेन्द्र सिंह राजपूत समस्त सेक्टर सुपरवाइजर सीएच ओ एवं एएनएम उपस्थित रहे।



माटी गणेश—सिद्ध गणेश : बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गोटेगांव। स्थित ग्राम कुम्हड़ाखेड़ा शासकीय माध्यमिक शाला में #माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत बच्चों को मिट्टी के गणेश जी की प्रतिमा बनाने एवं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर बच्चों ने अपने घरों में स्वयं बनाई गई मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं विद्यालय में लाकर विधिवत पूजन किया। बच्चों को समझाया गया कि मिट्टी के गणेश जी हमारी आस्था के साथ-साथ प्रकृति के भी अनुकूल हैं। मिट्टी की प्रतिमा का विसर्जन घर के आंगन में किया जा सकता है और उस पवित्र मिट्टी एवं जल का उपयोग पौधे लगाने में किया जा सकता है।

ऐसे छोटे-छोटे प्रयास बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, प्रकृति के प्रति प्रेम और अपनी संस्कृति के प्रति समझ विकसित करते हैं। आज के बच्चे ही कल के पर्यावरण प्रहरी बनेंगे।इस सुंदर पहल में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती आशा मेहरा, सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती प्रभा दुबे, विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग एवं सहभागिता सराहनीय रहा।यह अभियान केवल गणेश प्रतिमा बदलने का अभियान नहीं, बल्कि आस्था को प्रकृति से जोड़ने और आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण का संस्कार देने का संकल्प है। आइए, हम सब मिलकर इस



गणेशोत्सव को पर्यावरण हितैषी बनाएं और अपने घरों में माटी गणेश स्थापित करें।माटी के गणेश, आस्था भी, प्रकृति की रक्षा भी।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार 3 नग वाईक

तृतीय उपहार 10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार 5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार 8 नग वाशिंग मशीन

छठवां उपहार 15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार 25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार 40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार 500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार 600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार प्रत्येक प्रतिभागी को सात्वना उपहार

नियम एवं नोट:- 1. यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। 2. हरिभूमि के नए एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। 3. महालक्ष्मी हार में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। 4. इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 साप्ताह्य कूपन एवं 15 मासिक कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। 5. योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्म पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 साप्ताह्य एवं 10 मासिक कूपन) कटौत करके कूपन व फार्मट भान्य नहीं होने। 6. राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। 7. सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आवक के नियम व शर्त मान्य होगी। 8. हरिभूमि निर्मावक मंडल का निर्गत अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। 9. किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.स.) होगा। 10. विषय में बर्ताए गए उपहार वार्षिक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। 11. हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करावें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर मो. 9479623424, 9340637789